IMF ने भारत के राष्ट्रीय खातों को 'C' ग्रेड दिया

ख़बरों में क्यों?

IMF (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने अपने नवीनतम **आर्टिकल IV परामर्श** में भारत के राष्ट्रीय खातों के आँकड़ों — जिसमें **सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और सकल मूल्य वर्धित (GVA)** शामिल हैं — को 'C' ग्रेड दिया है, जो इसके A–D पैमाने पर दूसरा सबसे कम ग्रेड है।[1] यह मूल्यांकन भारत के Q2 GDP आँकड़ों के जारी होने से ठीक पहले आया है, जिससे इसका महत्व और बढ़ जाता है।

'C' ग्रेड का क्या अर्थ है?

IMF ग्रेडिंग पैमाना	हिंदी अर्थ
A – Excellent	**उत्कृष्ट**
B – Good	**अच्छा**
C – Weak	**कमजोर**
D – Poor	**खराब**

तो, **'C' का अर्थ** है कि भारत के आर्थिक आँकड़ों में **महत्वपूर्ण कमियाँ** हैं, जो IMF के लिए निगरानी को अधिक कठिन बनाती हैं।यह सबसे खराब नहीं है, लेकिन **दूसरा सबसे खराब** ग्रेड है।

IMF की मुख्य चिंताएँ

1. **पुरानी आधार वर्ष (2011–12):** भारत अभी भी 2011-12 के आधार वर्ष का उपयोग कर रहा है, जबकि अर्थव्यवस्था डिजिटल सेवाओं, ई-कॉमर्स, गिग वर्क (Gig Work) और बदलती उपभोग पद्धतियों के साथ काफी बदल चुकी है। इससे वर्तमान GDP और मुद्रास्फीति **मौजूदा वास्तविकताओं को कम दर्शाती** है।

2. **PPI के बजाय WPI:** भारत **थोक मूल्य सूचकांक (WPI)** पर निर्भर करता है क्योंकि पूर्ण **उत्पादक मूल्य सूचकांक (PPI)** अभी तक उपलब्ध नहीं है। इससे GDP डिफ्लेटर और वास्तविक वृद्धि अनुमान प्रभावित होते हैं, क्योंकि **PPI निर्माता-स्तर की कीमतों के लिए वैश्विक मानक** है।

3. **GDP विधियों में विसंगतियाँ:** उत्पादन/आय दृष्टिकोण (Production/Income Approach) और व्यय दृष्टिकोण (Expenditure Approach) के बीच **काफी बड़े अंतर** हैं, जो अपूर्ण व्यय आँकड़े, अनौपचारिक क्षेत्र का अपर्याप्त कवरेज और असंगत डेटा स्रोतों को इंगित करते हैं, जिससे **डेटा की विश्वसनीयता कम** होती है।

4. **कोई मौसमी रूप से समायोजित GDP नहीं:** भारत **मौसमी रूप से समायोजित (Seasonally Adjusted) GDP** प्रकाशित नहीं करता है, जिससे तिमाही-दर-तिमाही तुलना अविश्वसनीय हो जाती है और विकास की वास्तविक गति (true growth momentum) अस्पष्ट हो जाती है।

थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index - WPI) क्या है?

- WPI यह मापता है कि थोक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में कितना बदलाव आता है—यानी, जब व्यवसाय **थोक में सामान अन्य व्यवसायों को** बेचते हैं।
- यह **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार कार्यालय** द्वारा प्रकाशित किया जाता है और यह भारत के सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले मुद्रास्फीति संकेतकों में से एक है।
- हालाँकि, इसकी अक्सर आलोचना की जाती है क्योंकि आम लोग थोक कीमतों पर वस्तुएँ नहीं खरीदते हैं।
- WPI के लिए नवीनतम आधार वर्ष **2011–12** है (जिसे 2017 में संशोधित किया गया)।

WPI की भार संरचना (Weightage Structure of WPI)

श्रेणी	भार (Weightage)	शामिल वस्तुएँ
सभी वस्तुएँ	**100%**	-
प्राथमिक वस्तुएँ	22.6%	खाद्य वस्तुएँ (अनाज, दालें, सब्ज़ियाँ, दूध, मांस, मछली), गैर-खाद्य वस्तुएँ (तिलहन), खनिज और कच्चा पेट्रोलियम।
ईंधन और बिजली	13.2%	एलपीजी, पेट्रोल और डीज़ल।
विनिर्मित उत्पाद	64.2%	प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, तेल और वसा, पेय पदार्थ, तंबाकू उत्पाद, परिधान, फार्मास्यूटिकल्स, खनिज उत्पाद, आदि।
खाद्य सूचकांक (Food Index)	24.4%	प्राथमिक वस्तुओं से खाद्य लेख + विनिर्मित उत्पादों से खाद्य उत्पाद शामिल हैं।

WPI मुद्रास्फीति को क्या प्रेरित करता है?

- **उच्च आधार प्रभाव (High Base Effect):** वर्तमान मुद्रास्फीति को कम दिखाता है।
- **गिरती वैश्विक कमोडिटी कीमतें:** विनिर्मित वस्तुओं पर मूल्य दबाव को कम करती हैं।
- **खाद्य कीमतें और मानसून:** गेहूँ की कीमतों की निगरानी ज़रूरी है; मानसून खरीफ फसल की मुद्रास्फीति को प्रभावित करता है।

WPI बनाम CPI — मुख्य अंतर

विशेषता	WPI (थोक मूल्य सूचकांक)	CPI (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक)
मुद्रास्फीति स्तर	निर्माता-स्तर की मुद्रास्फीति	उपभोक्ता-स्तर की मुद्रास्फीति
सेवाएँ	सेवाओं को शामिल **नहीं** करता है	सेवाओं को शामिल **करता** है
भार	विनिर्मित वस्तुओं को **अधिक** भार	खाद्य वस्तुओं को **अधिक** भार
आधार वर्ष	2011–12	2012

उत्पादक मूल्य सूचकांक (Producer Price Index - PPI)

PPI यह मापता है कि वस्तुओं और सेवाओं के लिए उत्पादकों को प्राप्त होने वाली कीमतों में समय के साथ कितना बदलाव आता है—चाहे वे देश के भीतर बेची जाएँ या निर्यात की जाएँ। यह उत्पादों के उपभोक्ताओं तक पहुँचने से पहले की **मुद्रास्फीति को कैप्चर** करता है।

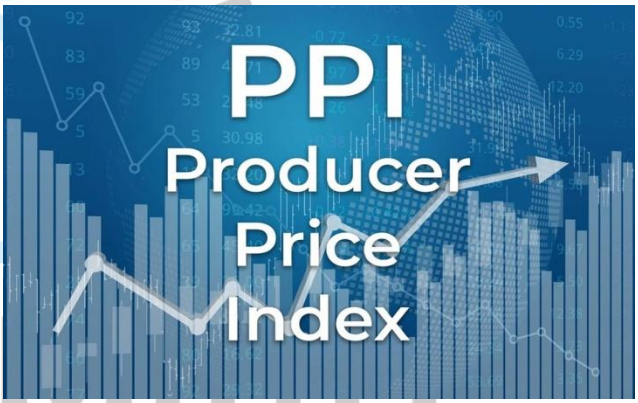

PPI के प्रकार

- **आउटपुट PPI (Output PPI):** कारखानों या उत्पादन इकाइयों से निकलने वाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को ट्रैक करता है।
- **इनपुट PPI (Input PPI):** उत्पादन प्रक्रिया में प्रवेश करने वाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को ट्रैक करता है।

PPI उपयोगी क्यों है?

- यह **उत्पादक/व्यवसाय के दृष्टिकोण** से मुद्रास्फीति दिखाता है।
- यह **रिटेल बाजार** में वस्तुओं के पहुँचने से पहले ही मूल्य परिवर्तन को ट्रैक करता है।
- यह **WPI की जगह लेता है** क्योंकि यह System of National Accounts (SNA) जैसे वैश्विक मानकों से मेल खाता है।
- यह WPI की तुलना में **अधिक सटीक तस्वीर** देता है, खासकर आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं के लिए।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

भारत को एक नए PPI मॉडल की आवश्यकता क्यों है?

WPI की सीमाओं को ठीक करने के लिए:

- उत्पादों की **दोहरी गणना को हटाता** है।
- **निर्यात और आयात** को शामिल करता है।
- **सेवा क्षेत्र** को शामिल करता है, जो भारत की GDP का 55% है और WPI में मौजूद नहीं है।

भारत ने IMF के साथ नया PPI ढांचा साझा किया है, और WPI से PPI में बदलाव के लिए बातचीत चल रही है, जैसा कि अधिकांश G20 अर्थव्यवस्थाओं में है।

किन परिवर्तनों पर विचार किया जा रहा है?

- सरकार WPI आधार वर्ष को **2011-12 से बदलने** पर विचार कर रही है।
- इसमें **MoSPI** (सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय) और **राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग** शामिल हैं, जो PPI को अपनाने की दिशा में व्यापक सुधारों का हिस्सा है।

CPI को 'B' ग्रेड मिला

भारत के CPI को **'B' ग्रेड** प्राप्त हुआ है, जिसमें अच्छी मासिक आवृत्ति और न्यूनतम अंतराल है। लेकिन मुख्य समस्याएँ बनी हुई हैं: यह अभी भी **2011-12 के आधार वर्ष** का उपयोग करता है, इसमें एक **पुरानी आइटम बास्केट** है, और भार (Weightages) अब **वर्तमान खर्च के पैटर्न** से मेल नहीं खाते हैं। नतीजतन, CPI आज के उपभोग व्यवहार या वास्तविक मुद्रास्फीति के रुझानों को सटीक रूप से नहीं दर्शा सकता है।

भारत के लिए समग्र IMF रेटिंग: ग्रेड 'B'

भारत को समग्र रूप से **'B' ग्रेड** प्राप्त हुआ है, जिसका अर्थ है कि देश का डेटा **"मोटे तौर पर पर्याप्त है लेकिन इसमें कुछ कमियाँ हैं।"** हालाँकि, GDP और GVA डेटा कार्यप्रणाली संबंधी समस्याओं के कारण स्कोर को नीचे खींचते हैं।

नीति निर्माण के लिए इसका क्या अर्थ है

- डेटा आज की **आर्थिक संरचना को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं** कर सकता है।
- GDP की सटीकता **विकास के पूर्वानुमानों को प्रभावित** कर सकती है।
- मुद्रास्फीति डेटा **वास्तविक घरेलू खर्च** को कैप्चर नहीं कर सकता है।
- निवेश, कल्याणकारी योजनाएँ और बजट योजना **अधूरे संकेतों** पर निर्भर हो सकती हैं।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

आगे की राह (Way Forward)

- वर्तमान अर्थव्यवस्था को दर्शाने के लिए **आधार वर्ष को अपडेट** करें।
- एक **मजबूत उत्पादक मूल्य सूचकांक (PPI) का निर्माण** करें।
- **अनौपचारिक क्षेत्र के कवरेज** में सुधार करें।
- **व्यय-पक्ष GDP (Expenditure-side GDP)** को मजबूत करें।
- **मौसमी रूप से समायोजित डेटा** प्रकाशित करें।
- **डेटा संग्रह और सांख्यिकीय तरीकों** का आधुनिकीकरण करें।

ये कदम **विश्वसनीयता, पारदर्शिता और वैश्विक तुलनीयता** को बढ़ावा देंगे।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय खातों के लिए IMF का 'C' ग्रेड कोई विफलता नहीं है—यह भारत के लिए अपनी सांख्यिकीय प्रणाली का आधुनिकीकरण करने के लिए **एक वेक-अप कॉल** है ताकि तेजी से हो रहे आर्थिक परिवर्तनों को **सटीक और विश्वसनीय रूप से** कैप्चर किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund - IMF) एक संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी है जिसे **1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन** में स्थापित किया गया था। इसमें 191 सदस्य देश हैं और इसका मुख्यालय **वाशिंगटन डी.सी.** में है।

मुख्य उद्देश्य

- अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना।
- विदेशी विनिमय दरों में **स्थिरता** सुनिश्चित करना।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाना।
- गरीबी को कम करना और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देना।
- वित्तीय स्थिरता का आश्वासन प्रदान करना।

शीर्ष मतदान शक्तियाँ (Top Voting Powers)

मतदान शक्ति कोटा-आधारित होती है, जिसमें सबसे बड़े सदस्य हैं:

देश	मतदान शक्ति (%)
USA (अमेरिका)	17.42%
Japan (जापान)	6.47%
China (चीन)	6.40%
Germany (जर्मनी)	5.59%
U.K./France (यू.के./फ्रांस)	4.23%
India (भारत)	**2.75%**

वित्तीय सहायता सुविधाएँ

IMF निम्नलिखित के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करता है:

- **स्टैंड बाय एग्रीमेंट (SBA):** भुगतान संतुलन (Balance of Payments) की समस्याओं के लिए अल्पकालिक सहायता प्रदान करता है।
- **एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (EFF):** संरचनात्मक कमजोरियों के लिए मध्यम अवधि की सहायता प्रदान करता है (विस्तारित पुनर्भुगतान शर्तें)।

विशेष आहरण अधिकार (Special Drawing Rights - SDRs)

- **परिभाषा:** IMF द्वारा बनाई गई एक **अंतर्राष्ट्रीय आरक्षित संपत्ति** (International Reserve Asset)।
- **उद्देश्य:** सदस्यों को आवंटित की जाती है और विशेष रूप से संकटों के दौरान हार्ड करेंसी (Hard Currency) के लिए विनिमय की जा सकती है (जैसे: 2009 का वैश्विक वित्तीय संकट)।
- **मूल्यांकन:** 5 मुद्राओं की एक टोकरी पर आधारित है (मूल्य के अनुसार भारित): **USD (42%), Euro (31%), Renminbi (11%), Yen (8%), और Pound (8%)**।

मुख्य रिपोर्ट

IMF नियमित रूप से निम्नलिखित प्रकाशित करता है:

- विश्व आर्थिक आउटलुक (World Economic Outlook)
- वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (Global Financial Stability Report)

राजकोषीय निगरानी रिपोर्ट (Fiscal Monitor Report)

UPSC प्रीलिम्स प्रैक्टिस प्रश्न (MCQs)

1. निम्नलिखित में से कौन सा कथन IMF द्वारा भारत के राष्ट्रीय खातों के ग्रेडिंग के बारे में सही है:

1. IMF ने सभी सांख्यिकीय श्रेणियों में भारत को कुल मिलाकर 'C' ग्रेड दिया।
2. राष्ट्रीय खातों जैसे GDP और GVA को 'C' ग्रेड मिला।
3. 'C' ग्रेड का मतलब है कि डेटा अविश्वसनीय हैं और निगरानी के लिए उपयोग नहीं किए जा सकते।

विकल्प:

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 3
D. 2 और 3

सही उत्तर: B

व्याख्या: भारत को कुल मिलाकर 'B' ग्रेड मिला, लेकिन राष्ट्रीय खातों को 'C' ग्रेड मिला। 'C' का मतलब है कि इसमें कमियां हैं जो निगरानी में बाधा डालती हैं, लेकिन डेटा पूरी तरह अविश्वसनीय नहीं हैं।

2. भारत की GDP गणना के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार करें:

1. भारत GDP का अनुमान लगाने के लिए उत्पादन और व्यय दोनों दृष्टिकोण का उपयोग करता है।
2. GDP गणना के लिए आधार वर्ष 2011–12 है।
3. भारत सभी GDP डिफ्लेटर गणनाओं के लिए Producer Price Index (PPI) का उपयोग करता है।

इनमें से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन 1 और 2 सही हैं। भारत अभी भी मुख्य रूप से WPI का उपयोग करता है, PPI नहीं।

3. IMF द्वारा भारत के राष्ट्रीय खातों में 'C' ग्रेड देने के कारण कौन-कौन से बताए गए हैं?

1. पुराना आधार वर्ष
2. मौसम के अनुसार समायोजित GDP का अभाव
3. GDP माप विधियों में बड़े अंतर

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

4. तिमाही GDP डेटा प्रकाशित करने में देरी

सही उत्तर चुनें:

A. 1, 2 और 3

B. 2 और 4

C. 1 और 4

D. 1, 2, 3 और 4

सही उत्तर: A

व्याख्या: भारत की GDP समय पर प्रकाशित होती है; देरी समस्या नहीं है।

4. IMF, भारत के WPI की बजाय Producer Price Index (PPI) का उपयोग क्यों पसंद करता है?

A. PPI उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान किए गए मूल्य को मापता है

B. PPI उत्पादकों द्वारा प्राप्त मूल्य को मापता है

C. PPI मासिक रूप से गणना किया जाता है जबकि WPI त्रैमासिक

D. WPI में सेवाएँ शामिल नहीं हैं

सही उत्तर: B

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत में CPI हर महीने एक महीने की देरी से जारी किया जाता है।
2. भारत का CPI वर्तमान में 2011–12 आधार वर्ष का उपयोग करता है।
3. IMF ने भारत के CPI डेटा को 'A' ग्रेड दिया है।

कौन-से कथन सही हैं?

A. 1 और 2

B. 2 और 3

C. 1 और 3

D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806